झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वा0 एवम् परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड सरकार

प्रेस विज्ञप्ति
किशोरी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला

प्रोफेसर मोनिका स्टर्निंग TUFTS University बोस्टन अमेरिका के निर्देशन में, राँची के होटल लि–लेक में किशोरी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए चल रहे, दस दिवसीय कार्यशाला के पाँचवे दिन प्रतिभागियों द्वारा कर्रा प्रखण्ड का दौरा किया गया। प्रखण्ड में किशोरियों की हिमोग्लोबिन की जाँच की गयी तथा उनको अनिमिया (खून की कमी) से होने वाले खतरों के संबंध में बताया गया। इस दौरान परिवार के सदस्यों से वार्ता हुई, कि उनकी बच्चियाँ आयरन गोली का सेवन क्यों नहीं करती, इसमें कहाँ पर दिक्कत आ रही है। परिवार के सदस्यों को भी अनिमिया से होने वाले खतरो के संबंध में बताया गया। इसमें स्थानीय ए0एन0एम0, आगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका, P.R.I सदस्यों से भी सहयोग लिया गया।

डॉ0 तुनुल हेमरोम, उप निदेशक स्वास्थ्य सह नोडल पदाधिकारी आई0 ई0 सी0 कोषांग ने बताया कि किशोरियों में अनिमिया को कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्व से ही पहल की जा रही है, परन्तु आशा के अनुरूप सफलता नहीं मिली। इसलिए झारखण्ड में Positive Deviance कार्यक्रम की बहुत ही आवश्यकता है, ताकि समुदाय के बीच समस्याओं का निवारण समुदाय द्वारा किया जा सके। राज्य में किशोरियों को आयरन गोली के सेवन के प्रति जागरूक करने के लिए आई0 ई0 सी0 कोषांग पूर्ण प्रयास कर रहा है। इसके लिए मिडिया के विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार तथा I.P.C (Inter Personal Communication) एवं B.C.C (Behaviour Change Communication) के द्वारा उनको अभिप्रेरित करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

विदित हो कि झारखण्ड एक आदिवासी बहुल राज्य है, जहाँ प्रत्येक 3(तीन) में से 2(दो) किशोरी खून की कमी अर्थात अनिमिया से ग्रसित है। राज्य में अनिमिया नियंत्रण हेतु साप्ताहिक आयरन संपूरक कार्यक्रम (WIFS) की शुरूआत फरवरी 2013 में किशोर बालक तथा बालिकाओं के लिए किया गया है। इस कार्यक्रम में कक्षा–6 से कक्षा 12 तक की सरकारी एवं गैर सरकारी सभी विद्यालयों के किशोर तथा किशोरियों को शामिल किया गया साथ ही स्कूल नहीं जाने वाले किशोर तथा किशोरियों को आंगनवाड़ी केन्द्रों से जोड़ा गया है।

Positive Deviance कार्यक्रम के तहत् किशोरियों को आयरन गोली सेवन के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न विभागो से सहयोग लिया जा रहा है। इसमें मुख्यतः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मानव संसाधन विकास, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, पी0 एस0 एम0, रिम्स, यूनिसेफ झारखण्ड तथा स्वयंसेवी संस्था सिनी शामिल हैं।

नोडल पदाधिकारी
आई0ई0सी0 कोषांग